ऐंड्रयू डब्ल्यू. के. लैंगस्टे
अध्यक्ष, डीवीसी

अध्यक्ष की कलम से

2 फरवरी, 2018

मेरे प्रिय डीवीसीवासियो,

साढ़े तीन साल की अवधि के दौरान, सहयोगियों और मित्रों के रूप में हमारे साहचर्य बतौर मैंने अपने पेशेगत लाभ व खुशी का आनंद उठाया है। अतएव, इस व्यक्तिगत हानि की गहन भावना के साथ मैं आपको सूचित करना चाहता हूँ कि आज मैं अपने मूल विभाग में बापस पदभार ग्रहण करने के लिए डीवीसी से अलग हो रहा हूँ। इस अलगाव के बावजूद मैं आपको बताना चाहता हूँ कि डीवीसी में मैंने जो चिरस्थायी मित्रता बनायी है उसकी स्मृतियाँ मेरे मनस–पटल में सदा बनी रहेंगी। डीवीसी में मेरे प्रथम दिन से ही मैंने प्रत्येक डीवीसीवासी से प्रचुर मात्रा में एक मजबूत समर्थन और प्रोत्साहन प्राप्त किया है उसके लिए मैं आभारी हूँ जिसको शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता। उस पल से लेकर अब तक हमने एक साथ मिलकर, उद्देश्य के एक नए अर्थ के साथ, अपने निगम को अपनी क्षमताओं में सर्वश्रेष्ठ सेवा प्रदान की है। आज, हमारे परिश्रम का परिणाम सबके समक्ष है – इस अकाट्य सत्य के लिए इससे बेहतर कोई प्रमाण सिद्ध नहीं हो सकता जब हमारे संगठन से बाहर का कोई अनजान व्यक्ति मेरे पास आता है और मुझे बताता है कि चीजें बदल गयी हैं और बदल रही हैं, जो डीवीसी के लिए बेहतर है। हमारे निगम के बारे में इस सकारात्मकता को पैदा करने का पूरा श्रेय टीम डीवीसी को जाता है और इस प्रक्रिया में टीम के एक हिस्से के रूप में अपने को पाकर में गौरवान्वित महसूस करता हूँ। हालांकि, हमारा निगम आज निर्विवाद रूप से हालिया अतीत से कहीं ज्यादा मजबूत स्तर पर है, लेकिन मैं यह जरूर बताना चाहता हूँ कि डीवीसी के लिए आगे का मार्ग अभी भी चुनौतियों से भरा हुआ है। मुझे पूरा भरोसा है कि अगर टीम डीवीसी उसी भावना के साथ कार्य करती रही और उसी संकल्प व दृढ़ निश्चय को प्रदर्शित करती रही जो उसने विगत कुछ वर्षों में दिखाया है, तो ये चुनौतियां दूर हो जाएंगी।

मेरे मूल्यवान सहयोगियों के रूप में आपके साथ काम करने का मेरे लिए यह एक शानदार अवसर रहा है। जैसा कि आज मैं डीवीसी टावर्स से अंतिम विदा ले रहा हूँ, मैं आप सबको एक बार पुनः हार्दिक धन्यवाद देना चाहता हूँ। साथ ही, निगम और टीम डीवीसी को उनके सभी भावी प्रयासों में सफलता की मंगलकामना भी करता हूँ।

जय हिन्द!
भवदीय,

(ऐंड्रयू डब्ल्यू. के. लैंगस्टे)